CODE NO: 05

323

नशा-युवा पीढी का अभिशाप

भूमिका

हम जानते हैं, आजकल हमारे समाज में नशा का उपयोग बढ रहे हैं। युवा पीढी इसके पीछे दौडते हैं। नशा युवा पीढी का अभिशाप है। इसके पीछे दौडकर युवा पीढी अपने जीवन को नाश करते हैं। एक बार नशा का उपयोग करते मानव, फिर उसके लिए सभी बुरा काम करके पैसा लेकर जाते हैं और उपयोग करते हैं। स्कूल बच्चों भी आज नशा को उपयोग करते हैं। मिठाईयाँ के रूप में भी नशा स्कूल बच्चों के पास आते हैं। बच्चे और युवा पीढी में ही है हमारे राष्ट्र की प्रतीक्षा। राष्ट्र के उन्नति के लिए करना युवा पीढी का दायित्व है। लेकिन ..... आज हम क्या देखते हैं। इसलिए नशा से युवा पीढी को बचाना हम सबका दायित्व है। राष्ट्र की उन्नी के लिए युवा पीढी का संभावनाएँ जरूरत है। नशा के विरुद्ध करने के लिए हम सहयोग प्रयत्न करना चाहिए, नहीं तो हमारे राष्ट्र सहारे में पड जाएँगे। मेहनत करनेवाले युवा पीढी है हमारी सपना।

विषय विश्लेषण

हमारे समाज में युवा पीढ़ी कई चुनौतियाँ सामना करते हैं। इनमें एक बड़ी समस्या है नशा का उपयोग। नशा का उपयोग युवा पीढ़ी का अभिशाप है। नशा का उपयोग युवा पीढ़ी एक अन्य दुनिया में पहुँचते हैं। किताब पढने में उनका तात्पर्य कम होते हैं। अपने पिता और माता को भी वह मान न करके अपनी इच्छा के अनुसार करते हैं। हमारे समाज और युवा पीढ़ी आज बड़े खतरे में है। कितने दुख की बात है यह। राष्ट्र की इंतजार है युवा पीढ़ी। राष्ट्र के लिए करना उनका दायित्व है। हमारे राष्ट्र को सब क्षेत्रों में प्रथम स्थान पर रखने के लिए एक अच्छा पीढ़ी का जरूरत है। नशा का उपयोग करने से उनका मन और शरीर थक जाते हैं और उन्हें सामाजिक बातों में अपना सहमत बोलने के लिए भी नहीं सकते। तब हमारे राष्ट्र कैसे उन्नति में पहुँचेंगे? अच्छी तरह पढ़कर समाज सेवा और राष्ट्र सेवा करनेवाले एक युवा पीढ़ी के लिए हम कुछ करना जरूरत

है। अपने जीवन में समस्याएँ आते क्षण युवा पीढ़ी दौड़कर छिपते हैं। जीवन में समस्याएँ स्वाभाविक है। सभी समस्याएँ को सामना करके जीवन लक्ष्य पर पहुँचना चाहिए। लेकिन युवा पीढ़ी समस्याएँ आते क्षण नशा के लिए जाते हैं और उसका उपयोग करके अन्य दुनिया पर पहुँचते हैं। ऐसे वह अपनी समस्याएँ को भूल करना है। हम सब विद्यार्थी है। पढ़ना ही है हमारा कर्तव्य। अधिकाधिक मेहनत करके अपने जीवन लक्ष्य पर पहुँचकर हम अपने समाज और राष्ट्र के लिए करना चाहिए। नशा का उपयोग करते युवा पीढ़ी को देखते क्षण हम क्या करें? मूक दर्शक बना रहें? कदापि नहीं। हम इसके विरुद्ध करना चाहिए। ऐसे बच्चों से कुछ कहना चाहिए और उन्हें किताब का दोस्त बनना चाहिए। उनका नशा किताब बनना चाहिए। किताब वाचना से भी हम एक अन्य दुनिया में पहुँचते हैं। लेकिन वह खुशी की दुनिया है, इंतजार की दुनिया है। किताबें भी

एक नशा है। नशीली पदार्थों का उपयोग
करके जीवन खतरे में डालनेवाले युवा
पीढ़ी की तरफ एक किताब रखकर उसका
नशा आस्वाद करने के लिए हम कहना
का जरूरत है। ऐसे किताब की दुनिया
में जाते व्यक्ति को समाज और राष्ट्र का
सेवा कर सकेगा। तब हमारे राष्ट्र उन्नति
में पहुँचेंगे। सभी युवा पीढ़ी को किताब
का नशा के बारे में समझाना हमारा
दायित्व है। यह बात मन में रखकर
हम सामाजिक उन्नति और राष्ट्रीय उन्नति
के लिए करना चाहिए। आज नशा युवा
पीढ़ी का अभिशाप है। किताब का नशा युवा
पीढ़ी का आनन्द बनने के लिए हम
एकसाथ करें। वह हमारा कर्तव्य है।
हम इस राष्ट्र के बच्चे हैं। ऐसी तरह
~~कुछ~~ ~~युवा~~ नशा के पीछे दौड़ते बच्चे
भी इस राष्ट्र के बच्चे हैं। हम सब भाई-
बहन हैं। इसलिए नशा के रूप में समाज
में चलते राक्षस को लेकर दूर करके
अपने भाई-बहन को हमें संरक्षण
करें।

उपसंहार

आज हमारे समाज में नशीली पदार्थों का उपयोग करते युवा पीढ़ी बढ़ती रहती है। युवा पीढ़ी है कल का [redacted] नेता। लेकिन आजकल युवा पीढ़ी बड़े खतरे में हैं। इसलिए हमारे समाज भी। इस हालत को हम सामना करना चाहिए। हमारे भाई-बहन को हम अपने हाथ लगाकर बचाने का जरूरत है, नहीं तो हमारे राष्ट्र का भविष्य नाश हो जाएगा। हमारे राष्ट्र की भविष्य युवा पीढ़ी पर निर्भर रहती है। राष्ट्र सेवा हर एक व्यक्ति का कर्तव्य है। लेकिन युवा पीढ़ी वह मान न करके नशीली पदार्थों के पीछे जाते हैं। यह दुख की बात को एक खुशी की बात हम बनना चाहिए। युवा पीढ़ी को किताब का नशा आस्वाद करने का अवसर देना चाहिए। नशीली पदार्थों से मिलते नशा नहीं किताब से मिलते नशा। वह खुशी का नशा है। नशीली पदार्थ हमारे समाज में एक राक्षस के रूप में आता है। वह हमारे युवा पीढ़ी

CODE NO:05

को खाते हैं। वह राक्षस को दूर छोड़कर इस समाज में भलाई लाने के लिए, हमारे राष्ट्र की उन्नति के लिए हमें एकसाथ करें।